भाजपा अध्यक्ष का जीवन वृतान्त: श्री अमित शाह

अप्रतिम संगठनात्मक क्षमता और सामरिक योजना के लिए प्रसिद्ध अमित शाह, ज़मीन से जुड़े एक ऐसे नेता हैं, जिनका एक प्रतिष्ठित राजनीतिक रिकॉर्ड और वह अपने आदर्शों के लिए प्रतिबद्धता के साथ जुड़े हैं।

22 अक्टूबर 1964 को जन्मे श्री अमित शाह के परिवार में पहले कोई भी राजनीतिज्ञ नहीं था, इसके बजाय, उनके परिवार में मानव प्रेम की वो भावना थी जिसने श्री अमित शाह के अंदर समाज की सेवा करने की इच्छा को जगाया। 14 वर्ष की छोटी सी उम्र में, श्री अमित शाह ने एक 'तरुण स्वयंसेवक' के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सदस्यता ली। इसी निर्णय ने उनके जीवन की दिशा बदल दी।

गुजरात भाजपा में संगठनात्मक भूमिका:

1982 में, जैव रसायन विज्ञान के एक छात्र के रूप में, उन्होंने अहमदाबाद में छात्रों के संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सचिव की जिम्मेदारी ली। बाद में वे भाजपा के अहमदाबाद शहर इकाई के सचिव बने। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। श्री अमित शाह भाजपा की गुजरात इकाई में कई महत्वपूर्ण पदों को सम्हाला और वहाँ के प्रतिष्ठित नेता बनकर उभरे। 1997 में वे भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बने और बाद में भाजपा की गुजरात इकाई के उपाध्यक्ष बने।

अभूतपूर्व चुनावी उपलब्धियाँ:

1995 में श्री अमित शाह पहली बार सरखेज विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने गए। वह 1998 में इसी निर्वाचन क्षेत्र से पुन: निर्वाचित किए गए। इस बार उन्होंने अपने प्रतिद्वन्द्वी को 1,32,477 मतों के अंतर से हराया। 2002 में उन्होंने एक तरह का एक रिकार्ड बनाया जब वे अपने प्रतिद्वन्द्वियों को 1,58,036 वोटों से हराकर सरखेज विधानसभा क्षेत्र से पुन: निर्वाचित किए गए। वर्ष 2007 में उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया; इस बार उन्होंने 2,32,823 वोट के मार्जिन से जीत दर्ज की। 2012 में वह नरनपुरा निर्वाचन क्षेत्र से पांचवीं बार गुजरात विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए।

सहकारी क्षेत्र की कायापलट:

हर मृतप्राय इकाई को इसकी नियति बदलने के लिए एक दूरदर्शी नेता की जरूरत पड़ती है। अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के लिए यह सच है,जो वर्ष 2000 में दीवालिया होने के कगार पर था और नेतृत्व की कमी के कारण एक कमजोर बैंक घोषित कर दिया गया। यह वह समय था जब श्री अमित शाह को इस चुनौती का सामना करने के लिए बैंक के अध्यक्ष के रूप में लाया गया था। शाह ने नैतिक मूल्यों के साथ एक सकारात्मक शुरूआत की और माना कि सक्षम प्रशासन के साथ लाभांश का भुगतान, नैतिकता और लग कर काम करने से बैंक के अच्छे दिन वापस लौट सकते हैं। जिस वर्ष वह बैंक के अध्यक्ष बने उस वर्ष बैंक ने 20.28 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया था। उनके पदभार संभालने के एक वर्ष के अंदर ही बैंक ने अपने सारे कर्जे चुका दिए और 10% लाभांश की घोषणा के साथ, अन्य लाभ कमाने बैंकों की श्रेणी में शामिल हो गया। आज, अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक लिमिटेड देश के 367 सहकारी बैंकों में से एक प्रमुख बैंक बन गया है।

माधवपुरा और अन्य शहरी सहकारी बैंकों के बंद होने से जब लोगों का विश्वास सहकारी बैंकों से उठ गया था, तब श्री शाह ने जमाकर्ताओं का विश्वास फिर से पाने की ज़िम्मेदारी स्वयं ली। उनकी देखादेखी ही सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने माधवपुरा बैंक के लिए एक पुनर्निर्माण पैकेज को शुरू किया। श्री शाह ने स्वयं ही फ्लेक्सी जमा योजना की शुरूआत सुनिश्चित करके सहकारी बैंकों को लाभ के लिए अपने धन का निवेश करने के लिए सक्षम बनाने का कार्य किया। श्री शाह के जोर देने पर राज्य सरकार द्वारा सहकारी बैंकों के कानून को संशोधित किया गया। कानून अब दोषी सहकारी बैंकों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित कर सकता है।

राज्य प्रशासन में उल्लेखनीय सफलता:

1995 में, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री केशुभाई पटेल के कार्यकाल के दौरान, अमित शाह सबसे कम उम्र के गुजरात राज्य वित्तीय निगम (GSFC) के अध्यक्ष बने। 2002 में, श्री अमित शाह नरेंद्र मोदी सरकार में राज्य मंत्री बने। मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने परिवहन, पुलिस, आवास, सीमा सुरक्षा, नागरिक सुरक्षा, ग्राम रक्षक दल, होमगार्ड, जेल, निषेध, आबकारी, कानून और न्याय, संसदीय कार्य और प्रतिष्ठित गृह मंत्रालय सहित कई विभागों का कार्यभार संभाला।

चुनाव प्रबंधन में महारत :

राजनीतिक रणनीति और दृष्टिकोण में अपने कौशल के कारण वे 2010 में पार्टी के महासचिव के रूप में नियुक्त किए गए और बाद में उन्हें चुनावी रूप से महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश का राज्य का प्रभारी बनाया गया। एक छोटी सी अवधि के अंदर ही श्री शाह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा के भाग्य को पलट दिया और भाजपा और उसके सहयोगियों को 80 लोकसभा सीटों में से 73 पर जीत हासिल हुई, जो अब तक का सबसे शानदार परिणाम था। उनके दो साल से भी कम समय में उत्तर प्रदेश के प्रभारी के रूप में काम करते हुए भाजपा के वोट प्रतिशत में कम से कम ढाई गुना वृद्धि हुई है। याद रहे कि श्री शाह इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई तथा वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के चुनावों का भी प्रबंध कर चुके हैं और उनकी चुनावी जीत सुनिश्चित कर चुके हैं।

श्री शाह भाजपा की चुनाव समिति के सदस्य भी थे, और 2014 में, जनसंपर्क, सामूहिक अभियान और नए मतदाताओं के नामांकन की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेकर, एक परिणामोन्मुख रणनीति बनाई और 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अभूतपूर्व विजय दिलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खेल प्रशासन:

श्री शाह ने गुजरात राज्य के शतरंज संघ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। 2009 में वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बने और 2014 तक इसके अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करने तक वह इस पद पर रहे।

फोटो गैलरी के लिए: https://www.facebook.com/AmitShah.Official/photos_stream